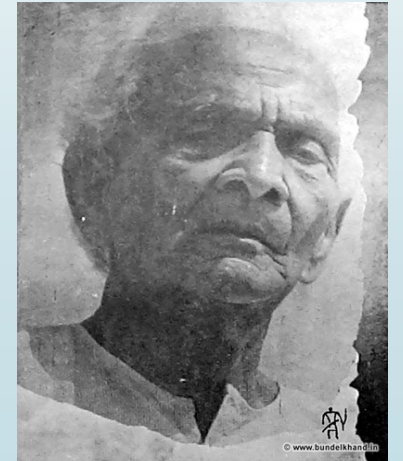


वह चिड़िया जो

केदारनाथ अग्रवाल



मुख्य बिंदु

पाट की पात्र चिड़िया
छोटी और नीले पंखों
वाली है।

चिड़िया को अन्न, एकांत
स्थान और नदी से बहुत प्रेम
है।

पाट में चिड़िया के माध्यम से मनुष्यों के महत्वपूर्ण गुण
बताए गए हैं। जैसे— साहस, आत्मसम्मान, विश्वास, प्रेम

पाठ का सार

'वह चिड़िया जो' कविता 'श्री केदार नाथ जी' के द्वारा लिखा गया है। इस कविता में कवि ने नीले पंखों वाली छोटी चिड़िया के बारे में बताया है। नीली चिड़िया के रूप में 'केदार नाथ' ने अपने स्वभाव को व्यक्त किया है। उन्होंने बताया है कि छोटी चिड़िया को अन्न से बहुत प्यार है। वह रुचि से दूध-भरे ज्वार के दानों को खाती है। वह बहुत संतोषी है। छोटी चिड़िया वन में घूमकर अपने कंठों से मीठे स्वर में गाना गाती है। उसे एकांत में रहना पसंद है। वह उफनती नदी से पानी की बूंदों को चोंच में भर कर ले आती है। छोटी सी चिड़िया साहसी है और उसे स्वयं पर गर्व है। उसे नदी से बहुत प्यार है।

कविता की प्रासंगिकता

कवि की काल्पनिक इस चिड़िया का स्वभाव यदि समाज के सभी लोगों ने अपना लिया तो समाज से अराजकता, असामनता, भुखमरी, कुंठा, कठिनाइयों से भय, सम्मान, विनम्रता जैसी अनेक समस्या का समाधान मिल सकता है। अतः हम कह सकते हैं कि आज भी कवि की यह कविता समाज में प्रासंगिक है।